# VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS M N 28 AUG 2022 No. 3 RECEIVED

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1836)

| Name of Candidate | BAJRANG PRASAD | | |
|---|---|---|---|
| Medium Eng./Hindi | HINDI | Registration Number | 578292 |
| Center | MN | Date | 28-8-2022 |

### INDEX TABLE

| Q. No. | Maximum Marks | Marks Obtained |
|---|---|---|
| 1 | 10 | |
| 2 | 10 | |
| 3 | 10 | |
| 4 | 10 | |
| 5 | 10 | |
| 6 | 10 | |
| 7 | 10 | |
| 8 | 10 | |
| 9 | 10 | |
| 10 | 10 | |
| 11 | 15 | |
| 12 | 15 | |
| 13 | 15 | |
| 14 | 15 | |
| 15 | 15 | |
| 16 | 15 | |
| 17 | 15 | |
| 18 | 15 | |
| 19 | 15 | |
| 20 | 15 | |

Total Marks Obtained:

Remarks:

### INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

# EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

**Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:**

1.

2.

3.

4.

5.

6.

**All the Best**

1. The PM-AASHA scheme is aimed at improving procurement mechanism as well as ensuring remunerative prices for farmers. In this context, highlight the various components of the scheme and discuss the concerns associated with it. **(150 words) 10**

पीएम-आशा योजना का उद्देश्य खरीद तंत्र में सुधार के साथ-साथ किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना है। इस संदर्भ में, योजना के विभिन्न घटकों को रेखांकित कीजिए तथा इससे जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण योजना (PM-AASHA) का उद्देश्य किसानों के उपज को उचित मूल्य पर खरीदकर उन्हें आय सुरक्षा प्रदान करना है।

पीएम-आशा योजना के घटक
- खुले बाजार तंत्र से FCI द्वारा अनाज को खरीद करना (MSP से कम पर नहीं)
- दाल एवं तिलहन हेतु आय सुरक्षा प्रदान करना
- निजी क्षेत्र द्वारा खरीद को प्रोत्साहित करके मूल्य अन्तराल की भरपाई

विशेषताएँ -

- इसके तहत खुली बाजार प्रणाली के तहत सरकार जरूरत के अनुसार खरीदती है।

## PM-आशा योजना में चुनौतियाँ

- इसकी कवरेज केवल सीमित प्रमुख अनाज (गेहूं, चावल) आदि तक ही है।
- असीमित खरीद की गारंटी नहीं
- निजी क्षेत्र द्वारा अत्यंत कम मूल्य पर खरीद
- किसानों के जरूरत के समय और -कटाई के पीक समय में पहुंच नहीं
- कीमत की उपयुक्तता का अभाव

## उपाय

- बास्केट में अन्य मदों को भी शामिल
- खरीद क्षेत्र में पारदर्शिता एवं किसानों को खातों में भुगतान करना
- ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्रों को स्थापित

यह योजना किसानों की आय दुगुनी एवं खाद्य सुरक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Explaining the concept of blended finance, discuss the role it can play in mobilizing capital for infrastructure development in developing countries like India.

**(150 words) 10**

मिश्रित वित्त की अवधारणा की व्याख्या करते हुए, भारत जैसे विकासशील देशों में अवसंरचना विकास हेतु पूंजी जुटाने में इसकी भूमिका पर चर्चा कीजिए।

मिश्रित वित्त से तात्पर्य परियोजनाओं के लिए ऋण उपलब्धता सुनिश्चित कराने के साथ सरकार की सम्भाविकता में भागीदारी से है। यह PPP मॉडल के अनुरूप है।

**भारत में मिश्रित वित्त की आवश्यकता**

① अल्प बचत/निवेश अनुपात - भारत में मात्र 30% ही बचत है जो फर्मों को बैंकों द्वारा निवेश हेतु उपलब्ध हो पाता है,

② भारत की वृहद् उद्यम क्षमता - भारत है दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा उद्यमियों वाला देश है।

③ अवसंरचना का पिछड़ापन - सड़क, रेलवे, बन्दरगाह, ऊर्जा आदि में वृहद् निवेश की जरूरत

④ सरकार के आय पक्ष का कमजोर होना -

• भारत का कर-जीडीपी अनुपात - मात्र (12%)
(OECD देश - 35%)

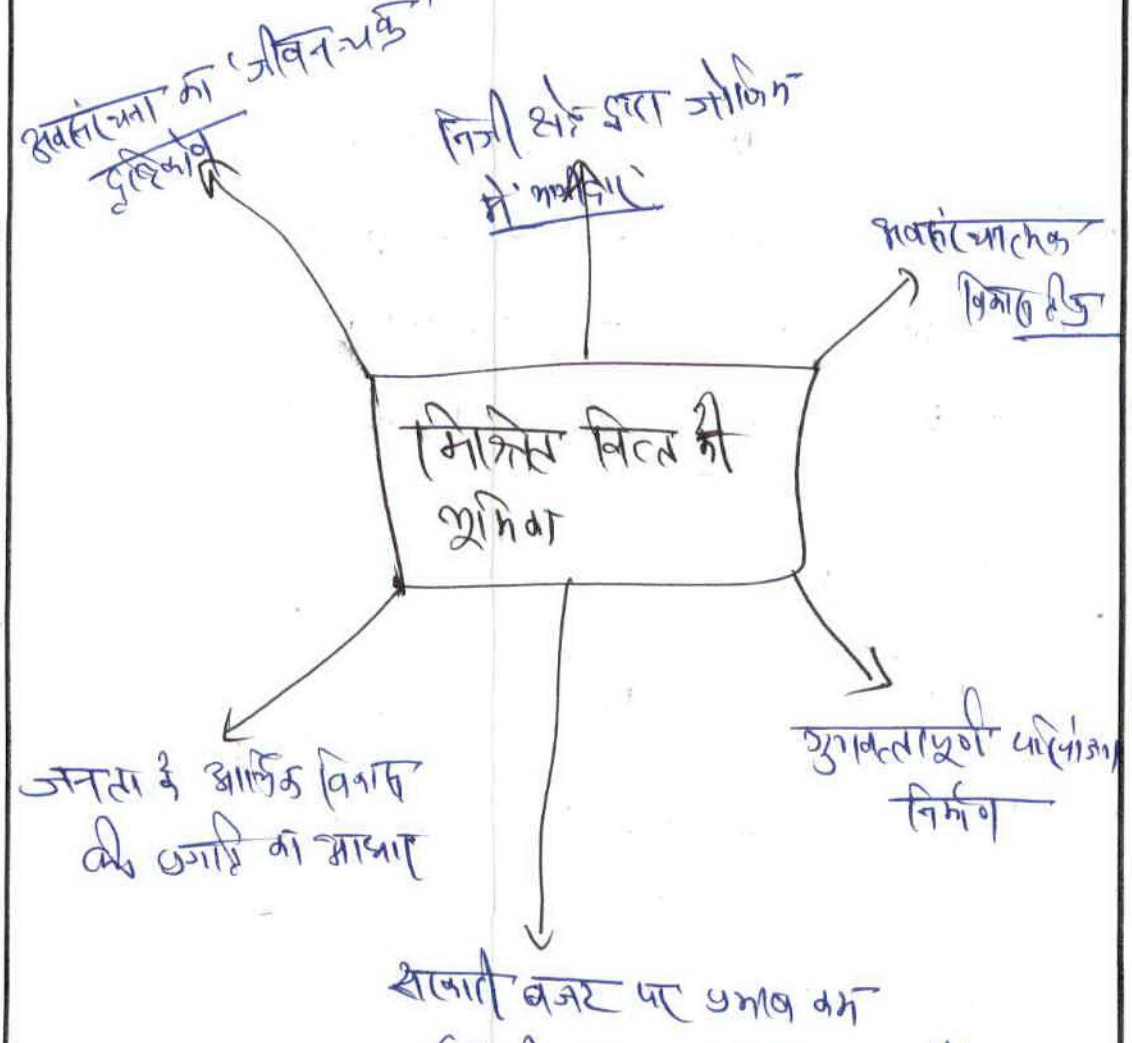


हाइब्रिड वित्तीयन, HAM, आदि विकास की तीव्रता को बढ़ा सकते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**3.** Discuss the challenges faced in the revival and revamp of dry ports in India and state the measures that can be adopted in this regard.

**(150 words) 10**

भारत में शुष्क पत्तनों (ड्राई पोर्ट्स) के पुनरुद्धार और सुधार में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिए तथा इस संबंध में अपनाए जाने वाले उपायों का सुझाव दीजिए।

भारत में 12 बड़े एवं 500 से भी अधिक छोटे पत्तन भारत की आधारभूत ढाँचा को मजबूत करते हैं।

शुष्क पत्तन से तात्पर्य कम उपयोग होने वाले पत्तन से है जो विभिन्न कारकों से प्रेरित होते हैं।

**शुष्क पत्तनों के पुनरुद्धार में चुनौतियाँ**

- वित्त की बाधा- इसके विकास हेतु अधिक पूँजीगत निवेश की आवश्यकता है।
- सड़क अवसंरचना संपर्क- माल पहुँचाने हेतु अच्छी सड़कों का अभाव
- सामान प्रोसेसिंग के समय- भारत में अभी भी यह समय 2 दिन से अधिक है

**शुल्क पत्तनों के सुधार के उपाय**

1. डेडीकेटेड माल भाड़ा गलियारे की तीव्र निर्माण एवं कार्यान्वयन हो
2. सागरमाला परियोजना के तहत पत्तनों के विकास का जोर
3. हालिया पारित पत्तन प्रबंधन विधेयक के तहत निजी क्षेत्रों को शामिल
4. प्रबंधन को कुशल एवं दक्ष बनाकर विश्वसनीयता में वृद्धि।
5. पत्तनों पर टर्न-अराउंड-समय में कमी करते हुए व्यापार की सुगमता बढ़ाई जाये।
6. पत्तनों को अन्तर्देशीय जलमार्गों द्वारा जोड़ा जाना चाहिए।

पत्तनों का विकास एवं वृद्धि भारत के निर्यात को प्रभावित करेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**4.** Monoculture is one of the major threats to ensuring food security and sustainability of Indian agriculture. Discuss. **(150 words) 10**

एकल कृषि (मोनोकल्चर) खाद्य सुरक्षा और भारतीय कृषि की संधारणीयता सुनिश्चित करने के समक्ष विद्यमान प्रमुख खतरों में से एक है। चर्चा कीजिए।

एकल कृषि से तात्पर्य किसी फसल विशेष का विभिन्न कारणों से स्थान करने से है। जैसे- भारत में गेहूँ एवं धान का स्थान समस्त अन्य फसलों में सर्वाधिक है।

**एकल कृषि के कारण**

- MSP का निर्धारण, जैसे- हरियाणा, पंजाब में गेहूँ (अधिक)
- मुफ्त बिजली, पानी की व्यवस्था,
- आय अधिक क्योंकि यह नकदी फसलें होती हैं।
- सरकार द्वारा समर्थित नीति का प्रभाव

**खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव**

- मोटे अनाजों वाली फसलों का उत्पादन नहीं- पौष्टिक भोजन का अभाव ⇒ कुपोषण (15% आबादी)
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली का विविधतापूर्ण नहीं
- तिलहन, दलहन के लिए आयात पर निर्भरता
- बफर स्टॉक में कुछ ही फसलों की प्रधानता
- अन्य फसलों के मूल्य में बढ़ोतरी (महंगाई)
- फसल विशिष्ट प्रभाव

**कृषि की संधारणीयता पर प्रभाव**

- कृषि हेतु मृदा का अनुपजाऊ ⇒ धान-गेहूं की कृषि से मृदा की गुणवत्ता में कमी।
- जल स्तर में गिरावट → HR, PB, UP में भारी गिरावट
- विविधता हानि
- प्राकृतिक पोषक तत्वों की कमी
  - यूरिया से नाइट्रोजन का विलोपन होता है।
- परागण प्रभावित
- कीटनाशकों का अधिक उपयोग

इस प्रकार हमें उचित उपायों के द्वारा एकल कृषि के स्थान पर —

→ प्राकृतिक कृषि —
→ कार्बनिक कृषि
→ मोटे अनाजों की खेती (2023 अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष)
→ मिश्रित कृषि
→ शून्य बजट प्राकृतिक कृषि
→ प्रति बूंद - अधिक फसल की अवधारणा को बढ़ावा देना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. While highlighting the impact of single-use plastic on health and the environment, state the recent efforts taken by the government to curb plastic pollution in India. **(150 words) 10**

स्वास्थ्य और पर्यावरण पर एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के प्रभाव को रेखांकित करते हुए, भारत में प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार द्वारा हाल ही में किए गए प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

हाल ही में पर्यावरण मंत्रालय (MoEFCC) ने 50 माइक्रॉन से कम मोटाई वाली 'एकल उपयोग प्लास्टिक' के उपयोग पर प्रतिबंध लागू कर दिया है।

**एकल उपयोग प्लास्टिक के प्रभाव**

1. दीर्घ जीवन काल – इनकी आयु हजारों वर्षों से अधिक होने के कारण यह मृदा में समाप्त नहीं होती है।
⇓
मृदा उर्वरता में गिरावट

2. अनिम्नीकरणीय प्रकृति – जो इन्हें मृदा के लिए अत्यधिक घातक बनाती है।

3. नियंत्रण का ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन – जलाने पर यह गैसें वैश्विक तापन को बढ़ाती हैं।

4. समुद्री पारितंत्र को खतरा – IMO के अनुसार

समुद्री सतह के ~~से~~ निचले हिस्से पर भी माइक्रो प्लास्टिक बीड पहुँचे चुके हैं।
↓
समुद्री पारितंत्र को खतरा

| भारत सरकार के प्रयास |

→ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम-2016 के तहत विस्तारित उत्पादक दायित्व के साथ प्लास्टिक के पुनर्चक्रण, पुनर्उपयोग पर जोर

→ एकल-उपयोग प्लास्टिक स्ट्रॉ, कप, गिलास, पॉलिथीन पर प्रतिबंध (1 July 2022 से).

→ प्राकृतिक विकल्पों को प्रोत्साहन - पारंपरिक कुल्हड़, कागज अन्य का उपयोग बढ़ावा,

'प्रदूषक भुगतान सिद्धांत'
के साथ हमें प्लास्टिक प्रदूषण से दृढ़ता से निपटने की जरूरत है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Aapda Mitra – a force of volunteers from across India trained in disaster response – is becoming a game changer in the field of disaster management in the country. Elaborate. **(150 words) 10**
आपदा मित्र-आपदा प्रतिक्रिया हेतु प्रशिक्षित भारत भर के स्वयंसेवकों का एक बल-देश में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक गेम चेंजर के रूप में उभर रहा है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

आपदा मित्र आपदाओं के समय प्रतिक्रिया हेतु आरंभिक सक्रिय पंक्ति के रूप में आपदा राहत प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

आप्त आपदा दुर्घटना → 7516km लम्बी तटरेखा के साथ चक्रवात आदि के प्रति उन्मुख

आपदा मित्र की आवश्यकता

- कोविड और अप्रत्याशित मानवीय संकट - इसमें समग्र अनुक्रिया की जरूरत
- सरकारी प्रतिक्रिया की सीमित क्षमता - त्वरित प्रतिक्रिया में अत्यधिक सामर्थ्य नहीं

आपदा मित्र और स्वैच्छिक संगठनों के लाभ -

(1). अग्रिम पंक्ति तथा प्रक्रिया - यह आपदाओं के समय बचाव में पुनर्वास में लाभकारी,

→ वित्तीय बाधा नहीं - स्वैच्छिक बचाव प्रक्रिया नागरिक समाज में कुशलता को बढ़ाती है।

→ सरकारी प्रतिक्रिया के अभाव वाले क्षेत्रों में शासन की अनुपस्थिति - जिससे लोगों का सरकार पर विश्वास बढ़ता है

चुनौती
- → बचाव कार्य में जोखिम बीमा होना
- → अप्रयुक्त तथा अकुशलों की जरूरत
- → प्रशिक्षण प्रदान करना

भारत नागरिकों के आपदाओं से बचाव में सरकार के साथ निजी क्षेत्रों के प्रयासों को केंद्रित कर सकता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Why is the rise in lone wolf attacks considered as a serious challenge for security agencies around the world? Highlight the role of the internet in exacerbating such attacks. **(150 words) 10**

विश्व भर में लोन वुल्फ हमलों में वृद्धि को सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक गंभीर चुनौती क्यों माना जाता है? ऐसे हमलों की वृद्धि में इंटरनेट की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

वुल्फ हमलों से तात्पर्य एक व्यक्ति या समूह द्वारा किसी भीड़-भाड़ वाले स्थान पर आत्मघाती हमला करने से है। प्रायः यह शांत रहकर अचानक हमला करते हैं।

उदाहरण - ऑस्ट्रेलिया के चर्च में एक आतंकी द्वारा वुल्फ हमला.

**वुल्फ हमलों में सुरक्षा एजेंसियों की चुनौती**

- पहचान की कमी - यह सामान्यतः नागरिकों के वेष में छिप जाते हैं।
- यह देशी नागरिक हो सकते हैं।
- अचानक मनोवृत्ति परिवर्तन को भांपना मुश्किल जैसे - एक ट्रक द्वारा नागरिकों को कुचलना (फ्रांस में)
- यह माइंड वाश या आतंकी विचारधारा से प्रेरित.

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इंटरनेट की भूमिका

→ आतंकी विचारधारा को फैलाने में सोशल मीडिया एवं डार्क वेब का महत्वपूर्ण योगदान

→ अप: आतंकी हमले का नियोजन ऑनलाइन तरीके से कर रहे हैं,

→ क्रिप्टो करेंसी, बिटकॉइन जैसी मुद्राएं इन्हें मौद्रिक लाभ के लिए प्रेरित करती हैं।

→ मीडिया के बिने विश्व में फेक-न्यूज एवं हेट स्पीच को बढ़ाया है जिससे सामान्य नागरिक आतंकियों हेतु सुभेद्य बन रहे हैं।

इससे निपटने हेतु UN, इंटरपोल, FATF एवं अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं सहित सरकारों को सक्रिय कदम उठाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. The fundamental inefficiencies embedded in our military structures and processes are now being addressed through a slew of defence reforms in the country. Discuss. **(150 words) 10**

हमारे सैन्य ढांचे और प्रक्रियाओं में अंतर्निहित मूलभूत अक्षमताओं को अब देश में विभिन्न रक्षा सुधारों के माध्यम से दूर किया जा रहा है। चर्चा कीजिए।

भारतीय वायुसेना विश्व की चतुर्थ सबसे ताकतवर सेना है। इन प्रयासों से सेना की ताकत में निरन्तर बढ़ाने हेतु प्रयासरत है।

**सैन्य ढांचे एवं प्रक्रियाओं में अन्तर्निहित मूलभूत अक्षमताएँ**

- आधुनिक हथियारों का अभाव
- पूंजीगत की जगह वेतन आदि पर भारी व्यय अधिक
- बदलती युद्ध परिस्थिति
- चीन एवं पाकिस्तान के साथ एक साथ 'थियेटर कमांड' का अभाव
- रक्षा सेनाओं में एकीकृत समन्वय का अभाव
- महिलाओं की भागीदारी नहीं
- नवीनतम एवं आधुनिक साइबर अपराध हैं जिनके के लिए तकनीकी का अभाव
- रक्षा व्यय का कुशलतम उपयोग नहीं

**देश में विभिन्न रक्षा सुधार**

- एकीकृत थिएटर कमान्ड का निर्माण
  - उत्तरी, मध्य, चीन-पाक की सर्जित & दक्षिणी भाग पर
- SC ने महिलाओं के लिए 'स्थायी कमीशन' की अनुमति दी
  - महिलाओं के लिए डिफेन्स जॉब्स खुला होगा
- आधुनिक मिसाइल - S400, राफेल आदि
- समन्वय हेतु 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' पद का सृजन
- रक्षा गलियारा
  - अमेठी में
- आवश्यक जनबल हेतु एवं कुशल प्रशिक्षित श्रमबल हेतु (अग्निपथ योजना)
- MTCR को भारत द्वारा हस्ताक्षरित करना (2016 में)
  - ⇓ रक्षा उत्पादन एवं निर्यात को बढ़ावा (विभिन्न देशों - ब्रह्मोस)
  - U.S. एवं इज़राइल के आधुनिक एवं रक्षा ड्रोन एवं मिसाइल तक पहुँच

'रक्षा अधिग्रहण परिषद' एवं 'रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता' का संकल्प हमारे रक्षा सुधारों का महत्वपूर्ण आधार होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. In light of the recent establishment of the WHO Global Centre for Traditional Medicine in India, discuss the advantages and challenges in mainstreaming traditional medicine in the country. **(150 words) 10**

हाल ही में, भारत में डब्ल्यू. एच. ओ. ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना के आलोक में, देश में पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के लाभों और चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

हाल में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने गुजरात के जामनगर में दुनिया के पहले पारंपरिक औषधि कार्यालय की स्थापना की। यह भारत की वैश्विक पहुँच एवं प्रभाव का परिचायक है

पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के लाभ

→ आयुर्वेद प्राचीन काल से विश्वनीय रही है। वराहमिहिर की 'बृहत्संहिता' को आज भी आयुर्विज्ञान का विश्वकोश कहा जाता है

→ पारंपरिक औषधि जो करते हैं प्रायः मानव पर दुष्परिणाम नहीं।

→ सुलभ एवं वहनीय विकल्प

→ ~~सूक्ष्म~~ प्रतिजैविक प्रतिरोध (WHO ने 10 में एक माना)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

माना है। को रोकने में सहायक
→ पिछड़े एवं गरीब देशों एवं नागरिकों तक पहुँच सुनिश्चित

## चुनौतियाँ

→ अधिक अनुसंधान की जरूरत क्योंकि उनके लागत एवं प्रभावी लाभ के सीमित प्रमाण उपलब्ध
→ प्राकृतिक औषधियों के वृक्षों के विनाश का खतरा,
→ अभी भी यह एलोपैथिक के इलाज का विकल्प नहीं हो सकता जैसे - कैंसर आदि के इलाज में

भारत को पारंपरिक औषधियों के विकास (AYUSH mantralay) हेतु अनुसंधान एवं विकास को बढ़ाना चाहिए। यह पूरक के रूप में स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करती हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**10.** Nano Urea Liquid has the potential to transform farming in India and across the world by improving productivity while reducing environmental pollution and input cost. Discuss. **(150 words) 10**

नैनो यूरिया लिक्विड में पर्यावरण प्रदूषण और इनपुट लागत को कम करने के साथ-साथ उत्पादकता में सुधार करके भारत और विश्व भर में कृषि कार्य को रूपांतरित करने की क्षमता है। चर्चा कीजिए।

हाल में IIFCO एवं CSIR ने एक कम्पनी के साथ नैनो तरल यूरिया के वाणिज्यिक उत्पादन हेतु हस्ताक्षर किए।

नैनो यूरिया लिक्विड के पर्यावरण प्रदूषण एवं इनपुट लागत पर प्रभाव -

(1) पर्यावरण प्रदूषण को कम करना - वर्तमान में आवश्यक यूरिया की मात्रा के अपेक्षा उसके असल्प मात्रा की जरूरत (1 लीटर में 1 बीघा जमीन)

→ नाइट्रोजन के वर्तमान असंतुलन को कम करेगा। जैसे - आदर्श मात्रा = N:P:K = 4:2:1
वर्तमान में विकसित देशों में N:P:K = 16:4:1

→ मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने में

→ इसे जल के साथ खेतों में छिड़काया जा सकता है।

→ $NH_3$ (जो ग्रीन हाउस गैस है) के उत्सर्जन को कम करेगा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैनोयूरिया एवं उत्पादकता प्रभाव-

→ भारत उर्वरकों का सबसे बड़ा आयातक, उपभोक्ता एवं द्वितीय उत्पादक है

↓

बजट एवं घाटे में कमी-

→ किसानों की लागत कम होगी-

→ उत्पादन बढ़ने में (क्षमता) (= दक्ष उपयोग) के द्वारा

भारत एवं दुनिया की कृषि व्यवस्था पर प्रभाव

- उपयोग में कमी ↓ कीमतों में गिरावट
- पर्यावरण पर अधिक प्रभाव नहीं
- कृषि मृदा का संरक्षण एवं निम्नीकरण रोकना
- उत्पादकता बढ़ने एवं लागत कम होने से किसानों की आय में वृद्धि।

इसे अन्य प्राथमिक उर्वरकों फास्फोरस, पोटाश पर भी शोध को आगे बढ़ना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**11.** Discuss the domino effect of high crude oil prices on the Indian economy. Also, enumerate the measures that India can take in this context.

**(250 words) 15**

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के डोमिनो प्रभाव की विवेचना कीजिए। साथ ही, भारत द्वारा इस संदर्भ में अपनाए जा सकने वाले उपायों को सूचीबद्ध कीजिए।

भारत अपने समग्र तेल (पेट्रोलियम) एवं गैस उपभोग हेतु वाह्य बाजारों पर क्रमश: 85% एवं 60% से अधिक निर्भर है।

हाल में अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतें $130/बैरल से भी ज्यादा पहुँच गई।

**कीमत बढ़ने के प्रमुख कारण**

- कोविड के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित (अचानक स्थिति)
- वर्तमान रूस-यूक्रेन युद्ध से रूस पर प्रतिबंध से तेल की आपूर्ति में कमी
- OPEC देशों द्वारा उत्पादन ने बढ़ाकर कीमतों के इज़ाफा का फायदा उठाना

डोमिनो प्रभाव से तात्पर्य एक वस्तु में ~~क्रमश~~ परिवर्तन का प्रभाव क्रमश: अन्य चीजों पर प्रतिकूल रूप से पड़ने से है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

① आर्थिक रूप से :-

→ कीमत बढ़ने से आयात बिल अधिक
⇓ ⇓
चालू खाता घाटा में वृद्धि — विदेशी मुद्रा भंडार में कमी

→ भारतीय मुद्रा का अवमूल्यन (क्योंकि हमारे निर्यात से आयात अधिक है)

→ कीमत के प्रभाव को रोकने हेतु सरकार द्वारा VAT घटाना ⇒ आपूर्ति पक्ष कम और राजकोषीय घाटा में बढ़ोत्तरी

② नागरिकों के सामाजिक पक्षों पर -

→ ऊर्जा उत्पादन असमानता की जननी ⇒ तेल की कीमत बढ़ते हैं
⇓
परिवहन व्यय एवं उत्पादन लागत बढ़ा
⇓
किसानों का जीवन कृषि पर व्यय से हावी लागत ↑

वस्तु में मुद्रास्फीति
(FY23 के प्रथम तिमाही में CPI = 7%, WPI = 15%, जा.ई CPI = 8% (NSO)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

## भारत सरकार के उपाय

- RBI द्वारा रुपये के व्यापार को मंज़ूरी जिससे तेल कीमतों के जोखिम कुछ हद तक रोका जा सके
- तेल के रणनीतिक भंडार को उपयोग करना (जो कोविड के समय भरा था)
- कम्पनियों पर विंडफाल टैक्स द्वारा अधिक लाभ कमाने में सरकार को हिस्सा देना
- नवीकरणीय एवं अक्षय ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा जैसे - PM KUSUM, सौर ऊर्जा आदि
- VAT कम करना
- OPEC आदि देशों से वार्ता करना
- रूस से तेल की रिकार्ड पर खरीद जारी

भारत को दीर्घकाल में ऊर्जा सुरक्षा हेतु कदम उठाने की तत्काल आवश्यकता है जैसे - हाइड्रोजन ईंधन, परमाणु ऊर्जा, अक्षय ऊर्जा आदि

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**12.** The consistent high operating ratio of the Indian Railways is indicative of its incapability to generate high operational surplus. Explain the reasons behind this trend. Also, highlight the remedial measures taken by the government in this regard. **(250 words) 15**

भारतीय रेलवे का लगातार उच्च परिचालन अनुपात उच्च परिचालन अधिशेष सृजित करने में असमर्थता का संकेत है। इस प्रवृत्ति हेतु उत्तरदायी कारणों को स्पष्ट कीजिए। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा किए गए उपचारात्मक उपायों को रेखांकित कीजिए।

रेल मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रेलवे का परिचालन अनुपात 95% से अधिक है। जिसका मतलब है कि रेलवे को 100₹ कमाने हेतु 95₹ से अधिक खर्च करना पड़ता है। इससे रेलवे के परिचालन अधिशेष में कमी आती है।

उच्च परिचालन अधिशेष के उत्तरदायी कारण

1. कम किराया - भारतीय रेलवे यात्रियों से रेल यात्रा सेवा का मात्र 57% ही वसूलती है अन्य की भरपाई मालभाड़ा से होता है।

2. गुणवत्ता युक्त सेवा कमी - जिससे यात्रियों पर अधिक भार नहीं डाला जा सकता; रेलवे समय देरी,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अवसंरचना गुणवत्ता में गिरावट से प्रभावित है।

3. उच्च पेंशन, वेतन और आकस्मिक व्यय - जिससे पूंजीगत विकास व्यय हेतु धन की कमी

4. रेल बजट के व्यय में कमी - बजट के एकीकरण के पश्चात् रेल अनुदानों में कमी आई है।

5. आर्थिक नीतियों में निम्न वर्ग की अधिकता
⇓
यात्रा भाड़ा स्थिर रखने की विवशता

6. निजी क्षेत्र निवेश कम - LKO से दिल्ली तेजस का परिचालन अनुपात भी ठीक नहीं है

7. ट्रेनों को न बढ़ाया जाना - जिससे आय पक्ष कमजोर

**उपचारात्मक उपाय**

(1) गुणवत्ता सुधार -
- अवसंरचना सुधार, ट्रेनों की समय बद्धता
⇓
लोग सड़कों की अपेक्षा ट्रेनों की तरफ रुख करेंगे
⇓
आय पक्ष मजबूत होगा

2). रेलवे इगंजन में डॉ॰ विवेक देबराय समिति की अनुशंसाओं को लागू किया जाये.

3). कोयला माल ढुलाई जो आय का प्रमुख स्रोत है वैकल्पिक स्रोतों पर जोर की जरूरत क्योंकि अक्षय ऊर्जा में भारत की बढोत्तरी के कारण यह अधिक स्थिर नहीं है।

4). रेलों की औसत गति को बढ़ाना

5). समर्पित माल ढुलाई गलियारे का तीव्र निर्माण एवं क्रियान्वयन

6). अधिक वंदेभारत ट्रेनों को चालू किया जाये

7). राष्ट्रीय मौद्रीकरण योजना के तहत रेलवे की अनुत्पादक सम्पत्तियों का मौद्रीकरण

PPP मॉडल द्वारा निजी क्षेत्र की भागीदारी भारतीय रेलवे की कायाकल्प एवं आर्थिक प्रगति हेतु जरूरी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**13.** Micro food processing sector is the key driver of growth in the Indian economy as it encourages food processing innovation. In this context, state the challenges faced by the micro food processing sector and discuss how the recent initiatives taken by the government aim to address them.

**(250 words) 15**

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक भारतीय अर्थव्यवस्था में संवृद्धि का प्रमुख चालक है क्योंकि यह खाद्य प्रसंस्करण नवाचार को प्रोत्साहित करता है। इस संदर्भ में, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों का उल्लेख कीजिए और चर्चा कीजिए कि किस प्रकार सरकार द्वारा हाल ही में प्रारंभ की गई पहलों का उद्देश्य इनका समाधान करना है।

कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था (16% GVA में) के रूप में भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का विकास आर्थिक प्रगति एवं विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक -

- रोजगार प्रदान करने की क्षमता,
- कृषकों की आय बढ़ाने में,
- महिला जीवन स्तर सुधारने में,
- निर्यात का महत्वपूर्ण घटक, जैसे - डेयरी उत्पाद
- भारत की क्षमता का दोहन, भारत में 400 से अधिक GI tag वाले उत्पाद हैं।

सूक्ष्म प्रसंस्करण क्षेत्रक की चुनौतियाँ

(1) उद्यमिता हेतु पूँजी की कमी - जिससे वह

उत्पादों के प्रसंस्कृत रूप को बनाने में अक्षम,

2. उत्पादन का निम्न एवं निम्न स्तर- जिससे संग्रहण के अभाव में उत्पादों का भी प्रसंस्करण नहीं हो पाता है जैसे - भारत में सब्ज़ी उत्पादों के क्लस्टर का अभाव

3. संग्रहण एवं भण्डार गृहों की कमी- वर्तमान में सब्जियाँ एवं फलों की अपेक्षा शीत भण्डार गृहों में आलू की हिस्सेदारी 90% से अधिक है।

4. बाजारों तक पहुँच की कमी- ग्रामीण क्षेत्रों के उत्पाद उचित बाजारों तक पहुँच ही नहीं पाते।

5. विदेशी बाजार हेतु गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरने की समस्या,

**भारत सरकार की पहल**

1. PMFME- प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग प्रसंस्करण योजना के द्वारा भारत में फूड पार्क

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कै, योजना : प्रसंस्करण उद्योग, आपूर्ति श्रृंखला के मजबूतीकरण, एक-जिला - एक उत्पाद आधारित उपाय किए जा रहे हैं।

2) खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 100% FDI की अनुमति

3). उत्पादन से सम्बद्ध योजना

4). NABARD द्वारा ऋण की उपलब्धता

5). प्रधानमंत्री सम्पदा योजना के तहत विकास पर जोर

6). 'Vocal for local' एवं बाह्य बाजारों में विस्तार

7). गुणवत्ता मानक हेतु योजना

सूक्ष्म प्रसंस्करण उद्योग
भारतीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि में महत्वपूर्ण है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**14.** Despite efforts by successive governments, equitable growth remains elusive and income inequality continues to persist in India. Discuss.

**(250 words) 15**

क्रमिक सरकारों के प्रयासों के बावजूद, न्यायसंगत विकास दुष्प्राप्य बना हुआ है और भारत में आय असमानता निरंतर बनी हुई है। चर्चा कीजिए।

संविधान अनु-37 के तहत भारत को कल्याणकारी राज्य के रूप में सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय स्थापित करने एवं सभी की आजीविका को बचाने के लिए आदिदेशित करता है।

विश्व असमानता रिपोर्ट के अनुसार भारत के ऊपरी 1% लोगों की आय नीचे के 50% लोगों की समग्र आय का 22 गुना है।

⇓

तीव्र आय असमानता का प्रतीक

समतापूर्ण विकास के प्रयास -

→ स्वतंत्रता के पश्चात भूमि/कृषि सुधार

⇓

जमीनों का वितरण सुनिश्चित करना

→ द्वितीय पंचवर्षीय योजना में औद्योगिक विकास को बढ़ाने हेतु नई आर्थिक नीति

→ 70 के दशक में गरीबी हटाने हेतु 20 सूत्रीय कार्यक्रम,

स्वर्ण जयंती रोजगार योजना,

→ 1991 में आर्थिक सुधार एवं विश्व के अर्थव्यवस्था में एकीकृत करना

→ मनरेगा द्वारा गरीबी उन्मूलन एवं रोजगार सृजन पर जोर

→ किसानों की आय दोगुनी का प्रयास.

भारत की वर्तमान स्थिति

| सकारात्मक | नकारात्मक |
|---|---|
| → GDP में तीव्र वृद्धि (आज 3 ट्रिलियन डॉलर) | → आय अन्तराल बढ़ा $\frac{\text{top 1\%}}{\text{bottom 50\%}} = 22$ |
| → प्रतिव्यक्ति आय बढ़ी (PPP $ 2000 PCI) | → बेरोजगारी 40 साल के उच्च स्तर पर (NSO) = 6.7%, WB = 10% |
| → निर्यातक आयात का | → किसान आत्महत्या में वृद्धि |
| → सेवा क्षेत्र 56% GDP में | |

| क्षेत्र | हिस्सेदारी GDP | रोजगार |
|---|---|---|
| कृषि | 16 | 50% |
| उद्योग | 28 | 24% |
| सेवा | 56 | 26% |

→ रोजगार रहित सेवा क्षेत्र का विकास

**आय असमानता के कारण**

- कृषि पर निर्भरता कम नहीं हुई (45%)
- कुशल श्रमबल का अभाव (5% औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त)
- महिला श्रमबल भागीदारी न्यून (25%) PLFS
- उद्योगों द्वारा कृषि के एकीकरण का अभाव
- आय का वितरण संतुलित नहीं
- अप्रत्यक्ष कर - प्रतिगामी कर से गरीबों पर अधिक प्रभाव

**उपाय**

- कर-जीडीपी अनुपात बढ़ाया जाए - कर आधार बढ़ाना (abt 12%, OECD 34%-35%)
- तकनीकी का बढ़ावा
- नए क्षेत्र - गिग, प्लेटफार्म अर्थव्यवस्था का प्रोत्साहन
- स्वयं सहायता समूहों का विकास
- [illegible] वित्तीय
- कौशलपूर्ण जनसंख्या
- जनांकिकीय का लाभ उठाना

प्रगतिशील कर प्रणाली एवं संसाधनों की कुशल उपयोगिता आय असमानता को घटाएगी।

15. Stating the factors that determine the employment situation of an economy in the long-term, discuss the measures that are needed for India to address its unemployment problem. **(250 words) 15**

किसी अर्थव्यवस्था की दीर्घावधि में रोजगार की स्थिति को निर्धारित करने वाले कारकों का उल्लेख करते हुए, उन उपायों की विवेचना कीजिए जो भारत में बेरोजगारी की समस्या के समाधान हेतु आवश्यक हैं।

मानव पूंजी, कुशल संसाधन आवंटन पर बनी अर्थव्यवस्था दीर्घकालिक वृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। जैसे- जापान, यूरोपीय देश आदि.

अर्थव्यवस्था की दीर्घावधि में रोजगार की स्थिति निर्धारित करने वाले कारक

→ संसाधनों की उपलब्धता - स्वर्ण भूमि, जल, ऊर्जा, खनिज, प्राकृतिक वनस्पति, सौर ऊर्जा प्रमुख हैं।

मूलभूत आवश्यकता से युक्त मानव जनसंख्या - शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल युक्त आबादी मानव पूंजी का निर्माण करती है

- अर्थव्यवस्था की प्रकृति एवं वैश्वीकरण की स्थिति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नीतिगत सद्धांलिपत -

• श्रम कानून, उद्यमों के स्थापन में उदारीकरण, पर्यावरणीय दायित्वों का अनुपालन, का संरचना आदि

प्रौद्योगिकी एवं व्यापार की स्थिति - यह कुशल आबादी द्वारा सेवा क्षेत्र के उन्नयन को बढ़ावा देती है

महिलाओं की स्थिति - श्रमबल में महिलाओं की हिस्सेदारी, कार्यस्थल पर सुरक्षा, जीवन स्तर आदि।

उपरोक्त कारक वर्तमान में रोजगार की स्थिति के निर्धारक हैं।

भारत में बेरोजगारी हल करने के उपाय

→ सूक्ष्म वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण की पहुँच बढ़ाना, जैसे - स्वदेश NGO.
→ स्वचालित उद्योग की स्थापना के मानवीय तकनीकी क्षमताओं का सृजन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ भारत की बड़ी जनसांख्यिकी (68%) को कौशल युक्त बनाकर विकसित देशों की वृद्धि होती आबादी के सेवा क्षेत्र में लगाना

→ विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार को बढ़ाना

→ कृषि का उद्योगों के साथ एकीकृत विकास को बढ़ाने की नीति का निर्माण

→ स्टार्ट अप को बढ़ाना
(भारत में वर्तमान में 100 यूनीकॉर्न)

→ उद्यमिता को बढ़ाने हेतु मुद्रा योजना, DDU-NRLM/NULM के तहत SHG को वित्तीयन

→ PM स्वनिधि के तहत गतिशील पूंजी।

→ जनधन - आधार - मोबाइल तिकड़ी का समावेशी विकास में उपयोग।

निजी क्षेत्र की विकास प्रक्रिया में भागीदारी (PPP) रोजगार के सृजन को बढ़ावा देगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**16.** In view of the rapidly increasing socio-economic damage caused by disasters, integrating Disaster Risk Reduction (DRR) into development planning requires an effective stakeholder engagement mechanism. Discuss. **(250 words) 15**

आपदाओं के कारण तेजी से बढ़ रही सामाजिक-आर्थिक क्षति को देखते हुए, आपदा जोखिम न्यूनीकरण (DRR) को विकास योजनाओं में एकीकृत करने के लिए एक प्रभावी हितधारक जुड़ाव तंत्र की आवश्यकता है। विवेचना कीजिए।

उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में भारत की महाद्वीपीय स्थिति, वृहद् तटीय सीमाएँ (7516 किमी), पहाड़ों से लगाव (हिमालय), विवर्तनिक (स्थिति) इसे आपदा प्रवण बनाती है।

भारत में प्रमुख आपदाएँ - चक्रवात, बाढ़, सूखा, हिमस्खलन, भूकम्प, हीट वेव, भीषण शीतलहर आदि

आपदा जनित सामाजिक आर्थिक क्षति

- सड़क, रेलवे आदि अवसंरचनाओं की क्षति
- भारी जन-धन की हानि
- कृषि, मत्स्यन आदि क्षेत्रों पर प्रभाव ⇓ खाद्य असुरक्षा
- रोजगार प्रभावित
- उत्पादन एवं आपूर्ति श्रृंखला पर प्रभाव
- पुनर्वास, विस्थापन की समस्या

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

DRR एवं विकास योजनाओं के जुड़ाव हेतु प्रभावी हितधारक तंत्र जुड़ाव की आवश्यकता -

① योजनाओं के समग्रतापूर्ण होने की जरूरत - इसमें आपदा आयामों का निर्धारण नीतिगत क्रियान्वयन एवं आपदाओं के प्रति अनुक्रिया को बढ़ाएगा

② जवाबदेही तंत्र - आपदाओं के निपटने में नीतिगत निर्धारण आपदा राहत कार्यों में सरकारी तंत्र के एकीकरण को बढ़ाकर जवाबदेह बनाएगा,

③ स्वैच्छिक निजी क्षेत्र; NGO आदि की भूमिका का उपयोग - यह योजनाओं के कुशल क्रियान्वयन एवं आपदाग्रसित प्रभावों के तीव्र निपटान एवं अनुक्रिया में सहायक होंगे।

④ बदलती जलवायविक प्रतिरूप की स्थिति -

आज

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

शासन के साथ जलवायु घटकों का एकीकरण किया हो गया है।

5) आपदाओं के बचाव में प्रौद्योगिकी का उपयोग —

भारतीय तटों पर चक्रवातों की बारंबारता एवं तीव्रता बढ़ने के बावजूद जान-माल की हानि कम हुई है। आज प्रौद्योगिकी का उपयोग अपरिहार्य है।

6) अन्तर्राष्ट्रीय अभिसमय एवं संस्थाएं —

आपदा बचाव पर सेंडई फ्रेमवर्क (2015-30), UNDRR आदि के साथ उपायों के एकीकरण।

भारत आपदा प्रतिरोधी बचाव गठबंधन (CDRI) द्वारा इन उपायों को क्रियान्वित कर रहा है।

बेहतर अनुक्रियात्मक आपदारोधी तंत्र संसाधनों के कम हानि को सुनिश्चित कर सा० आ० विकास को स्थिर रखता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Provide an account of the existing carbon trading mechanisms in India. Also, discuss the significance of an efficient carbon trading market in the country and state the challenges that currently exist. **(250 words) 15**

भारत में मौजूदा कार्बन व्यापार तंत्र का विवरण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, देश में एक कुशल कार्बन व्यापार बाजार के महत्व पर चर्चा कीजिए और वर्तमान समय में विद्यमान चुनौतियों का उल्लेख कीजिए।

बढ़ते कार्बन फुटप्रिंट के शमन में क्योटो प्रोटोकाल के तहत कार्बन बाजार की अवधारणा आई।

कार्बन व्यापार तंत्र से तात्पर्य उत्पादन प्रक्रिया में उत्सर्जित $CO_2$ के एवज में अन्य प्रयासों के साथ उनके शमन से है जिसका मापन कार्बन इकाई के रूप में किया जाता है।

भारत में कार्बन बाजार तंत्र -

① स्वच्छ कार्बन तंत्र - क्योटो प्रोटोकाल के धारा 6 के तहत इसका प्रावधान है। इसमें विकसित देश द्वारा भारत में निवेश करने पर भारत सरकार द्वारा कार्बन उत्सर्जन पत्र दिया जाता है। जैसे - जापान द्वारा दिल्ली मेट्रो में निवेश।

② नवीकरणीय ऊर्जा दायित्व – इसमें ऊर्जा संस्थानों द्वारा अक्षय ऊर्जा की एक निश्चित मात्रा खरीदना अनिवार्य है।

हाल में इसमें हाइड्रोजन ईंधन को भी जोड़ा गया है।

**कुशल कार्बन बाजार तंत्र के महत्व**

→ $CO_2$ का उत्सर्जन कम होना क्योंकि निर्धारित मात्रा से कम उत्सर्जन पर प्रोत्साहन मिलता है।

↓

वैश्विक तापन में कमी

→ कम्पनियों पर जवाबदेही एवं पर्यावरण अनुकूल उत्पादन की तरफ झुकाव (SDG-12)

→ पेरिस कन्वेंशन की दिशा में कदम (धरती का तापमान 1.5°C तक रखने का लक्ष्य)

→ पर्यावरण अनुकूल प्रक्रिया को बढ़ावा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विद्यमान चुनौतियाँ

- अभी लक्ष्यों का निर्धारण इस आधार नहीं
- यह ~~समय~~ निवल उत्सर्जन में कमी को समाधित कुशलतापूर्वक नहीं करता है क्योंकि कार्बन प्रमाणपत्र का विक्रय दूसरों को उतने उत्सर्जन को प्रेरित करता है
- विकासशील देशों हेतु हरित ऊर्जा उत्पादन महंगी प्रक्रिया है। (भारत की कोयले पर 60% ऊर्जा (ताप) निर्भरता)

पेरिस समझौते में ITMO की व्यवस्था : हरित बांड एवं अक्षय ऊर्जा उपाय कार्बन बाजार तंत्र को संचालित करेंगे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**18.** The menace of drug trafficking in India has been on a rise due to a mix of factors, both internal and external. Discuss. Also, state the challenges posed by drug trafficking to India's national security. **(250 words) 15**

भारत में ड्रग ट्रैफिकिंग का खतरा आंतरिक और बाह्य दोनों कारकों के समन्वय के कारण बढ़ रहा है। चर्चा कीजिए। साथ ही, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष ड्रग ट्रैफिकिंग से उत्पन्न चुनौतियों का उल्लेख कीजिए।

~~भारत~~ अपराध एवं ड्रग पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNODC) की रिपोर्ट विश्व ड्रग रिपोर्ट के अनुसार भारत ड्रग से प्रभावित दुनिया के प्रमुख देशों में है।

अगस्त 2022 में प्रकाशित लैंसेट की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 28 Cr युवा आबादी तम्बाकू एवं नशीले पदार्थों से पीड़ित है एवं वह कैंसर, हृदयाघात आदि के कारण प्रीमेच्योर मृत्यु के शिकार हो सकते हैं।

| ड्रग ट्रैफिकिंग के कारक |

आंतरिक कारक –

- कुछ क्षेत्रों में पारंपरिक नशे की आदत – जैसे हरियाणा में हुक्का का प्रयोग प्रायः सभी घरों में है।

→ सस्ती नशीली पदार्थों की उपलब्धता ⇒ जो निम्न वर्गों को उन्मुख बनाती है।

→ शहरी या ग्रामीण मजदूर नशे को अपने लिए आराम या दर्द (थकान) दूर करने का साधन मानते हैं।

→ प्रतिबंधों के बावजूद गुटखा, गाँजा, चरस का उत्पादन एवं उपयोग
(तम्बाकू एवं सिगरेट प्रतिबंध (Act, 2003)

→ भारत में दवाओं (मार्फिन) आदि की आम मार्केट पर उपलब्धता -

→ कुछ एलोपैथिक दवाओं की प्रकृति में दोहरा पक्ष - जैसे - Tossex (खाँसी सिरप) का उपयोग नशे में

→ बढ़ती युवा आबादी द्वारा नशे में लिप्त होजाना
• कुसंगति, फिल्मों आदि का प्रभाव

बाह्यकारक -
भारत के पड़ोस में ड्रग के लिए कुख्यात स्रोत देशों की उपस्थिति -

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गोल्डन क्रीसेंट — पाकिस्तान – अफगानिस्तान – ईरान
गोल्डन ट्रायंगल — लाओस – म्यांमार – थाईलैंड

⇓

इनके पूर्वोत्तर भारत व पंजाब के क्षेत्र में ड्रग तस्करी की अधिकता

ड्रग तस्करी से चुनौतियाँ

→ युवाओं की उत्पादक क्षमता प्रभावित ⇒ मानव पूँजी
→ उत्पादकता में कमी का कारण ⇒ कार्य घंटों में कमी
→ स्वास्थ्य समस्याएँ ⇒ मृत्यु व हत्याघात
→ पूर्वोत्तर क्षेत्र में उग्रवादी गतिविधियों के फंडिंग का स्रोत
→ पंजाब, जम्मू आदि में आतंकवादी हमले
→ आंतरिक सुरक्षा को चुनौती
→ ड्रग भारतीय जनसांख्यिकीय लाभांश को नकारात्मक रूप से प्रभावित।

NDPS एक्ट को कठोर, FATF के साथ सामूहिक कार्यवाही की जरूरत है।

19. The Andaman and Nicobar islands' strategic significance in the Indian Ocean region (IOR) has been underplayed by India's policy of 'masterly inactivity and benign neglect'. Critically discuss. **(250 words) 15**

हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के रणनीतिक महत्व को भारत की 'कुशल अकर्मण्यता और सौम्य उपेक्षा' की नीति के तहत कम करके आंका गया है। समालोचनात्मक चर्चा कीजिए।

बंगाल की खाड़ी में स्थिति

अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह भारत के लिए हिन्द महासागर नीति में रणनीतिक महत्व रखता है।

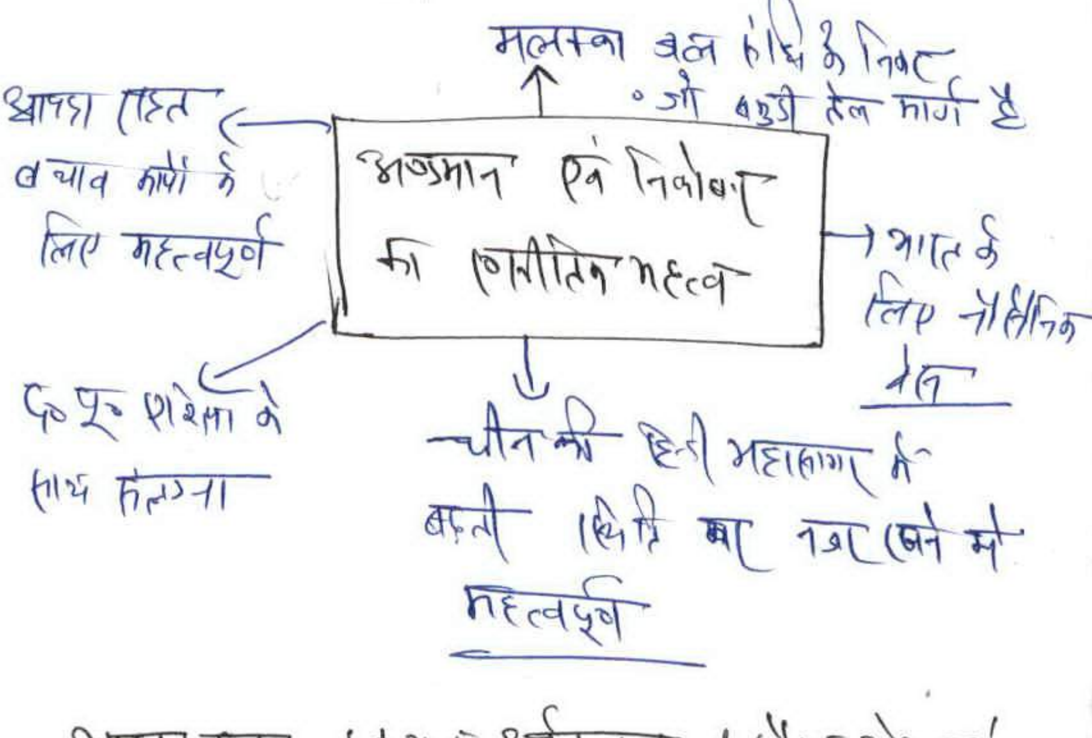


भारत द्वारा 'कुशल अकर्मण्यता व सौम्य उपेक्षा' का शिकार -

→ विकासात्मक कार्यों को बढ़ावा नहीं।

→ संचार की सुविधा नहीं।

- द्वीपीय जनजातीय संस्कृति के रूप में देखना
- चीनी चुनौतियों के मद्देनज़र आधुनिक विकास को महत्व दी।

**हाल में बढ़ी महत्ता**

- अमेरिका सहित विभिन्न देशों द्वारा बढ़ती हिंद क्षेत्र में भागीदारी
- हिंद-प्रशांत क्षेत्र का महत्वपूर्ण बिंदु
- चीन की भारत को घेरने की BRI नीति ('मोतियों की माला')
- भारत के आर्थिक हितों के लिए महत्वपूर्ण

**हालिया उठाए गए कदम**

(1) आप्टिकल फाइबर केबल से जोड़ना –

हाल में भारत सरकार ने अंडमान द्वीप को तीव्र संचार व्यवस्था से जोड़ने का कार्य आरंभ किया,

(2) सामरिक उद्देश्यों के तहत नौ-सेना बेस,

आपूर्ति एवं रसद प्रणाली के विकास का भाग

(3) राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - आयल पाम - है

अण्डमान को प्रमुख क्षेत्रों के रूप में मानना.

→ हिन्द महासागर के SAGAR, खुला-समावेशी हिन्द महासागर हेतु अण्डमान को भारत द्वारा रणनीतिक उपयोग सुनिश्चित करना।

चीन के साथ किसी भी संभावित टकराव में अण्डमान नौसेना के लिए रणनीतिक बढ़त उपलब्ध करायेगा।

भारत एवं जापान द्वारा अण्डमान क्षेत्र के विकास हेतु मिलकर कार्य किया जा रहा है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**20.** India has recently commissioned the world's first large International Liquid-Mirror Telescope (ILMT). How will the newly commissioned telescope aid in India's astronomical observations and research? **(250 words) 15**

हाल ही में, भारत ने विश्व का पहला विशाल इंटरनेशनल लिक्विड-मिरर टेलीस्कोप (ILMT) स्थापित किया है। यह नवनिर्मित टेलीस्कोप खगोलीय पर्यवेक्षणों और अनुसंधान में भारत की किस प्रकार सहायता करेगा?

टेलीस्कोप द्वारा किसी खगोलीय पिंडों के अध्ययन हेतु दर्पण, लेंस के संयोजन से निर्मित एक यंत्र है जो प्रकाश की किरणों के साथ अध्ययन को उपलब्ध कराता है।

हाल में आर्यभट्ट खगोलीय संस्थान द्वारा इस टेलीस्कोप को स्थापित किया गया है।

टेलीस्कोप के खगोलीय पर्यवेक्षण एवं अनुसंधान में महत्व -

① - ब्रह्माण्ड के रहस्य जानने में - यह प्रकाश की किरणों, खगोलीय पिंडों की स्थिति आदि के द्वारा ब्रह्माण्ड में पिंडों के निर्माण, आयु, प्रतिक्रिया संबंधी जानकारी जुटायेगा,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) खगोल विज्ञान में अनुसंधान से यह हमारी खगोलिकी में समझ को बढ़ाएगा,

(3) सौर परिवर्तनों को समझने में - सौर कलंक, आतिसौर - अपसौर स्थितियों के बारे में सटीक एवं जलवायु पर प्रभावों को समझने हेतु महत्वपूर्ण डेटा की उपलब्धता सुनिश्चित होगी,

(4) धूमकेतु, बादल आदि में भी अवलोकन में सहायक - इससे अध्ययन एवं परिणामों अधिक सटीकता एवं परिशुद्धता आयेगी तथा जानकारी के कोष को बढ़ायेगा।

(5) पारग्रहीय पिंडों का अध्ययन - अन्तरतारकीय निकायों की जानकारी उपलब्ध कराने में।

(6) ब्लैक होल के बारे में जानकारी

(7) फोटान एवं प्रोटॉनों के अध्ययन को

बढ़ावा देकर मानव जीवन पर इनके प्रभावों
को समझने में मददगार साबित होगा

8. डार्क पदार्थ (27%) एवं डार्क एनर्जी (68%) पर
शोध को बढ़ावा।

इस प्रकार यह भारतीय
भूगोल भौतिकी के लिए एक नया
मार्ग प्रशस्त कर सकता है।